

Published Date:	16 Jan 2025	Publication:	Khabrein Aaj Tak (Hindi) [Mumbai]
Journalist:	Bureau	Page No:	10
Circulation:	75,000		

दुनिया में सोने की बढ़ सकती है डिमांड

● दुनिया भर में चल रहे तनाव की वजह से बढ़ेगी चमक ● सेंट्रल बैंक अपने रिजर्व को अडवर्सिफाई करना चाहते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। यूरोप के सोवरन डेट और दुनिया भर में चल रहे तनाव की वजह से इस साल सोने की डिमांड बढ़ सकती है। टाटा म्यूचुअल फंड की मंगलवार को आई रिपोर्ट के मुताबिक, इंडस्ट्रियल डिमांड की वजह से चांदी की डिमांड भी बनी रहेगी। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक, पिछले दो सालों में सेंट्रल बैंकों ने सोना खूब खरीदा है। 2022 में रिकॉर्ड 1081.9 टन और 2023 में 1037.4 टन। ये खरीदारी आगे भी जारी रहने की उम्मीद है। इसकी वजह ये है कि सेंट्रल बैंक अपने रिजर्व में डाइवर्सिफिकेशन करना चाहते हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 2025 में निवेशकों द्वारा सोने की खरीदारी बढ़ सकती है। वजह ये है कि ट्रेड वॉर और दुनिया की इकोनॉमी की चिंताओं के बीच लोग सोने को सुरक्षित निवेश मानेंगे। वहीं, अमेरिका में नए बनने वाले राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की पॉलिसी से महंगाई बढ़ने और स्पलाई चैन में दिक्रें आने की आशंका है। लेकिन, फंड का रवैया सोने के लिए फायदेमंद हो सकता है। ग्रीन इकोनॉमी खासकर सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक वीडक्ल्स, चार्जिंग स्टेशन, पावर ग्रिड, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी चीजों में निवेश की वजह से औद्योगिक क्षेत्र में चांदी की मांग बढ़ने की उम्मीद है।



क्या और चमकेगी चांदी

सोना/चांदी का अनुपात (फिलहाल लगभग 90 के आसपास) दर्शाता है कि चांदी, सोने के मुकाबले बहुत कम कीमत पर है। इसलिए 2025 में चांदी सोने से बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। जनवरी-फरवरी में इंडस्ट्रियल डिमांड ज्यादा होने की वजह से चांदी की कीमतें बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, डॉलर के मजबूत होने और ब्याज दरों में बढ़ोतरी से 2025 की पहली तिमाही में मुनाफा सीमित रह सकता है। 2024 में लगातार चौथे साल चांदी की कीमतें बढ़ने के बाद 2025 में स्पलाई बेहतर होने की उम्मीद है। ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें, भू-राजनीतिक अस्थिरता, चीन की अर्थव्यवस्था में सुधार और चांदी के इटीएफ में निवेश का जारी रहना, चांदी के लिए कुछ सकारात्मक संकेत हैं। भारतीय निवेशकों के लिए चांदी में निवेश करने का एक आधुनिक और आसान तरीका है सिल्वर ईटीएफ इन खास मेटल एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स में पहले से ही 14,000 करोड़ रुपये का निवेश है। किफायती, सुरक्षित और आसान होने के फायदों के साथ ये ईटीएफ लॉकर में बिना असली चांदी रखने की परेशानी के साथ पोर्टफोलियो में विविधता लाने का मौका देते हैं।